भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं० 4195
दिनांक 18.07.2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

छत्तीसगढ़ में पेयजल योजना

4195. श्री विजय बघेलः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा में सुधार के लिए कोई योजना मंजूर की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) छत्तीसगढ़ में कितने हैंडपंप लगाए जाने हैं और इन योजनाओं में कितने विद्यालयों और पारंपरिक स्रोतों को शामिल किए जाने की संभावना है; और

(घ) इन योजनाओं को कब तक पूरा किए जाने की संभावना है?

उत्तर
राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय
(श्री रतन लाल कटारिया)

(क) और (ख) पेयजल आपूर्ति राज्य का विषय है। यह मंत्रालय केन्द्रीय प्रायोजित राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (एनआरडीडब्ल्यूपी) को शासित करता है जिसके माध्यम से यह ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुविधाओं के कवरेज में सुधार लाने के लिए छत्तीसगढ़ सहित राज्यों को तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करता है। राज्य, पेयजलापूर्ति स्कीमों की योजना, डिजाइन, अनुमोदन तथा प्रचालन करने के लिए सशक्त हैं। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार 17 सतही जल आधारित सामुदायिक जलापूर्ति स्कीमों को अनुमोदित कर दिया गया है। इसके अलावा, राज्य सरकार द्वारा पाइपयुक्त जलापूर्ति वाली 848 एकल ग्राम स्कीमों (एसवीएस) का भी अनुमोदन किया गया है।

(ग) और (घ) एनआरडीडब्ल्यूपी दिशानिर्देश के अनुसार, एनआरडीडब्ल्यूपी निधियों के जरिए हैंडपंपों की स्थापना का कोई प्रावधान नहीं है। तथापि, निधियों का एक हिस्सा उन जापानी एनसेफलाइटिस-एक्यूट एनसेफलाइटिस सिण्ड्रोम (जई-ऐईएस) प्रभावित क्षेत्रों के लिए निर्धारित किया गया है जहाँ उथले हैंडपंपों का इंडिया मार्क-॥ अथवा उच्चतर वर्जन में रूपान्तरण की अनुमति है।

छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार वर्ष 2019-20 के दौरान, बसावटों और स्कूलों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए क्रमशः 3200 हैंडपंपों तथा 555 हैंडपंपों को लगाए जाने का प्रस्ताव है। स्कूलों और बसावटों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए चल रही 12 बहु ग्राम जलापूर्ति स्कीमों को वर्ष 2020 तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है तथा अनुमोदित पाइपयुक्त जलापूर्ति स्कीमों को मार्च, 2021 तक पूरा किया जाना प्रस्तावित है।